कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन.....

दिनांक .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जावेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 159/2016

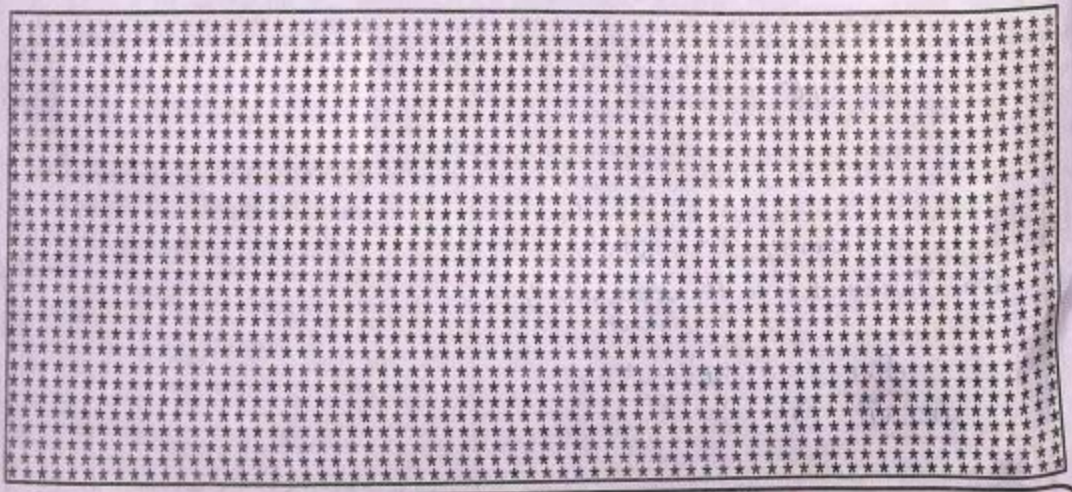

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड 'क'

1 (क) स्वावलम्बन का महत्व

(ख) यदि हमारे मन में अपना कार्य करने के लिए उत्साह नहीं है और उसमें विश्वास और आलस्य समाया हुआ है। उसमे किसी भी कार्य को करने की असमर्थता है तो वह व्यक्ति समाज के लिए भार बन जाता है।

ग समाज की प्रगति स्वावलंबी पुरुषो की कर्मण्यता, अनालस्य और स्वयं पर निर्भर रहने की भावना पर निर्भर करती है।

घ अब्राहम लिंकन, महात्मा गांधी, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर आदि महापुरुषो ने स्वावलंबन के अमृत को पीकर ही अमरता प्राप्त की और अपने जीवन को सफल बनाया।

2 (क) 'पथ भूल न जाना पथिक कही'

(ख) युद्ध की रणभेरी सुनकर सैनिक तत्पर व तैयार हो जाते है। वे जोश से परिपूर्ण होकर शत्रु को परास्त करने की क्षमता से भर जाते है। और वे अपना बलिदान करने मे भी संकोच नही करते है।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ग) 'कर्त्तव्य प्रेम की उलझन में' इस पंक्ति का आशय है कि अपने देश के प्रति कर्तव्य और अपने परिवार में चुनने पर तुम भ्रमित न होना और परिवार के मोह में अपनी देशभक्ति के पथ से विचलित न होना।

(घ) जब स्वदेश बलिदान मांग रहा हो तो हमें पीछे नहीं हटना चाहिए बल्कि अपने देश के लिए बलिदान करने के लिए अपना सिर आगे कर देना चाहिए और अपने देश के प्रति अपने धर्म का पालन करना चाहिए

खण्ड 'ग'

6 (क) कवि ने मां को धन्य इसलिए माना है क्योंकि उसी ने कवि और उसके दंतुरित मुस्कान धारी बच्चे का परिचय कराया था। कवि लंबे समय से अपने परिवार से दूर रहा तो उस ने अपने बच्चे का लालन-पालन किया था और उसका ध्यान रखा था इसलिए मां को धन्य कहा गया है।

ख जब वह छोटा-सा दंतुरित मुस्कानधारी बच्चा कवि को तिरछी नजर से देखता है और फिर आंखो से आंख मिलाकर मुस्कुराता है तो दोनो

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते है और दोनो मे स्नेह की तरलता उमड़ पड़ती है अर्थात कवि की आँखे अपने नन्हे से शिशु से मिल जाती है और वह उसे देखकर मोहित व मुग्ध हो जाता है।

7(क) कृष्ण ने मथुरा जाने के बाद उद्धव के माध्यम से गोपियो के पास संदेश भेजा तो गोपियो की विरह ज्वाला तीव्रता से भड़क उठी। उन्हे लगा कि श्रीकृष्ण मथुरा जाने के बाद बदल गये है। वे अब हमसे प्रेम नही करते है। तभी तो उन्होने प्रेम संदेश के स्थान पर योग संदेश भिजवाया है। उन्होने योग संदेशो को निरर्थक व कड़वी ककड़ी के समान कहा। उन्हो कृष्ण पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कृष्ण मथुरा जाने के बाद राजनीतिक चालें चलने लगे है।

ख कवि गिरिजा प्रसाद माथुर ने 'छाया मत छूना' कविता के माध्यम से यह संदेश देना चाहते है कि विगत जीवन की मधुर स्मृतियाँ व्यक्ति के वर्तमान और भविष्य दोनो को खराब कर देती है। अप्राप्य को भूलकर वर्तमान के कठोर यथार्थ का सामना कर भविष्य को सुदृढ बनाना चाहिए अन्यथा ये विगत स्मृतियाँ हमे और हमारे जीवन का नाश कर सकती है।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

घ राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद नामक रचना में मर्यादा पालन और शीलयुक्त आचरण अपनाने का संदेश दिया गया है। परशुराम जी का व्यवहार उनके मुनि रूप और वंश के अनुकूल नहीं था और इसी प्रकार लक्ष्मण का व्यवहार भी उनके क्षत्रिय कुल के नहीं है पर हमें अपने आचरण और अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए अन्यथा समस्या सुलझने के बजाय उलझती है।

8 (क) इस पंक्ति का आशय है कि कवि ने राधा की सुन्दरता और उज्ज्वलता अपरंपार बताई है जिसके कारण चंद्रमा भी उसके सामने तुच्छ और छोटा लगता है अर्थात राधा जी का मुख सौंदर्य चंद्रमा से भी अधिक सुन्दर प्रतीत हो रहा है।

(ख) 'दूध को सो फेन' से कवि का आशय है कि आकाश और धरती के मध्य उज्जवल चांदनी फैली हुई है जिसे देखकर ऐसा लग रहा है मानो दही का समुद्र उफन रहा हो क्योंकि चांदनी दुधिया होती है।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ग) सुन्दर चांदनी के कारण आकाश का स्वरूप स्फटिक शिला से बने मंदिर की तरह चमक बिखेर रहा है इससे चांदनी रात का दुधिया प्रकाश सहज ही सामने साकार हो उठता है जो कि अपने आप में स्वर्ण और मनोरम है। और चांदनी रात का सौंदर्य बेहद मनोरम प्रतीत हो रहा है।

घ 'आरसी से अंबर में आभा सी उजारी लगै' राधा के लिए प्रयुक्त हुआ है क्योंकि राधा इस उज्जवल आकाश के नीचे सबसे सुंदर दमकती हुई प्रतीत हो रही है। यहां आकाश को दर्पण तथा राधा को 'आभा सी' कहा गया है।

9 (क) हालदार साहब के दुखी होने का कारण यह था कि कैप्टन की मृत्यु हो गई थी। वे कैप्टन का बहुत सम्मान करते है और उसकी देशभक्ति के प्रति नतमस्तक थे। कैप्टन की मृत्यु होने पर उन्हे लगा कि अब नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति बिना चश्मे के खड़ी होगी क्योंकि चश्मा लगाने और बदलने वाला कैप्टन मर गया था।

ख हालदार साहब कस्बे में इसलिए नहीं रुकना चाहते थे क्योंकि वे जानते थे कि अब नेताजी की मूर्ति बिना चश्मे के ही खड़ी होगी क्योंकि मूर्तिकार तो चश्मा बनाना भूल गया था और जो कैप्टन मूर्ति पर चश्मा लगा दिया करता था उसकी मृत्यु हो गई थी। कस्बे में किसी का भी ध्यान मूर्ति पर नहीं गया होगा और किसी ने मूर्ति पर चश्मा नहीं लगाया होगा। ऐसा सोचकर हालदार साहब कस्बे में नहीं रुकना चाहते थे।

10 (क) 'बालगोबिन भगत' रेखाचित्र हमारे समाज की सामाजिक मान्यताओं व रूढ़ियों पर तीखा कटाक्ष है। इसमें बालगोबिन भगत अपने पुत्र की मृत्यु पर शोक न अनुभव कर आनंद मनाते हैं क्योंकि वे मानते हैं कि इस संसार में ईश्वर की इच्छा ही सर्वोपरि है और आत्मा का परमात्मा से मिलन शुभ होता है। इसके साथ ही भगतजी विधवा विवाह के समर्थक थे। उनके पुत्र की मृत्यु के बाद पतोहू को दूसरा विवाह करने के लिए उसके भाई के साथ भेज दिया था। यह बात उन लोगों पर की आलोचना करती है जो स्त्रियों के पुनर्विवाह के विरोधी हैं। बालगोबिन भगत ने अपने पुत्र का अंतिम

संस्कार भी पतोहू के हाथों से कराया था।
अतः बालगोबिन भगत रेखाचित्र हमारे समाज की स्त्री विरोधी नीतियों, अंधविश्वासों और सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करता है।

ख) फादर बुल्के को भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग इसलिए कहा गया है क्योंकि अपने भारत में रहकर अपने आप को पूरी तरह भारतीय बना लिया गया है। वे हिन्दी प्रेमी थे। उन्होंने इलाहाबाद और कोलकाता में रहकर पढ़ाई की और हिन्दी विषय में एम.ए. किया। सेंट जेवियर्स कॉलेज में हिन्दी का अध्यापन कराते हुए विभागाध्यक्ष भी रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति के प्रतीक रामकथा - उत्पत्ति और विकास पर शोध ग्रंथ लिखा। वे भारतीय परिवारों के उत्सवों में पुरोहित की भांति उपस्थित रहते थे और परिचितों से अपार स्नेह रखते थे। वे भारतीय संस्कृति में घुल-मिल गये थे इसलिए उन्हें भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग कहा गया है।

(घ) लेखक महावीर प्रसाद द्विवेदी ने प्राचीन एवं वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अंतर बताते हुए कहा है कि प्राचीन शिक्षा प्रणाली में शिक्षा गुरुओं के आश्रमों में दी जाती है और अध्ययन सामग्री

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के रटने पर बल दिया जाता था इसलिए स्त्रियाँ शिक्षा से वंचित रह जाती थी क्योंकि वे मंदिरो व आश्रमो मे नहीं जा पाती थी जबकि वर्तमान शिक्षा प्रणाली मे नर-नारी का भेद नहीं किया जाता है। दोनो मे समानता के आधार पर शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था लागू है इसलिए आज सहशिक्षा का प्रचलन है।

11 (क) 'नेता जी का चश्मा' नामक पाठ मे यह संदेश दिया है कि देशभक्ति प्रकट करने के लिए न तो फौजी होना और न ही बलवान होने की आवश्यकता होती है। हर देशवासी अपने सोच और सामर्थ्य के आधार पर देश के लिए त्याग कर सकता है। हम अपने देश के प्रति निष्ठावान रहकर और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करके और देश की उन्नति मे भागीदार बनकर भी देश के प्रति अपना कर्तव्य निभा सकते है जैसे- उस छोटे से कस्बे मे कैप्टन चश्मे वाला जो न तो ताकतवर था और न ही कोई बड़ा आदमी फिर भी वह नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाकर अपनी देशभक्ति प्रकट करता था।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) यह कथन एकदम सत्य है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य फलदायी होती है। बिस्मिल्ला खां खुदा से हमेशा प्रार्थना करते थे कि वह उन्हे एक सच्चा सुर प्रदान कर दे। इसके लिए वे पाँचो बार की नमाज अदा किया करते थे और काशी विश्वनाथ और बालाजी मंदिर के प्रति भी श्रद्धा रखते थे। वे काशी में रहते हुए ईश्वर से कभी भी अपने लिए धन नही मांगा। उन्होने तो केवल खुदा से एक सच्चा सुर मांगा। खुदा की नेमत से वे शहनाई के सम्राट ही नहीं बने बल्कि भारत रत्न जैसी श्रेष्ठ उपाधि भी प्राप्त की।

12. बच्चे सचमुच भोलानाथ होते है। उन्हे परिणाम की चिंता नहीं होती है। वे अपनी बात को मन में नहीं रखते है। वे अपनी प्रसन्नता को हंसी के माध्यम से और दुःख को रो-चिल्लाकर प्रकट कर देते है। उन्हे किसी की परवाह नहीं होती है जैसे - लेखक और उसके साथी बूढे को बूढा और खूसट को खूसट कह देते है और परिणामस्वरूप बूढा वर उनके पीछे डंडा लेकर भागता है। मूसन तिवारी ने तो उन्हे भगाया ही नहीं बल्कि स्कूल मे गुरूजी से उनकी शिकायत करके उनकी खबर लिवायी। बच्चो ने उनके प्रति जो कुछ कहा

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

वह एकदम सत्य भी था। बच्चो ने चूहे के बिल मे पानी डाला तो उसमे से सांप निकल आया और वे सब गिरते-पड़ते भागे लेकिन वे अपना आनंद करने के लिए कुछ भी कर सकते थे।
अत: हम कह सकते है बच्चे बचपन मे निर्दोष, निर्भय और मस्त होते है।

13 (क) 'जॉर्ज पंचम की नाक' व्यंग्यात्मक कहानी मे नाक के सवाल पर व्यंग्य किया गया है। इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय अपने पति के साथ भारत यात्रा पर आये और अपने पूर्वज जॉर्ज पंचम की बिना नाक की मूर्ति देखे यह कितना चिन्तनीय विषय था। यह सोचकर हमारे सरकारी अधिकारी जॉर्ज पंचम की नाक लगाने के लिए जुट गये और नाक लगाने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया गया। यह उनकी गुलामी मानसिकता पर व्यंग्य है कि आजाद होने के बाद भी उन्हे विदेशी अधिप की चिंता है। जब अंत में मूर्ति पर जिंदा नाक लगाने का निर्णय लिया गया तो यह बताता है कि आज भी विदेशी अतिथियो को खुश करने के लिए भारतीयो की बलि चढ़ाई जा रही थी।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ग) दुन्नू के मरने की खबर सुनकर कठोर हृदया दुलारी की आँखों में आँसू आ गये और वह से तेज आवाज में रोने लगी। उसने अपने आँसुओं को छिपाने का कोई प्रयास किया क्योंकि उसके मन में दुन्नू का एक विशेष स्थान था। उसकी पड़ोसिने उसके इस रूप को देखकर भाव विह्वल हो गई। दुन्नू ने उसे जो खादी की साड़ी दी थी, उसने वह साड़ी पहनी और उस स्थान पर गई जहाँ उसका दुन्नू शहीद हुआ था।

(घ) 'साना साना हाथ जोड़ि' - पाठ में लेखिका ने 'माया और छाया के खेल को इस तरह बताया है कि माया का अर्थ है - संसार और छाया का अर्थ है - सौंदर्य अर्थात प्रकृति का सौंदर्य। इसके माध्यम से लेखिका यह कहना चाहती है कि प्रकृति अपना रूप बदलती रहती है और उसका सौंदर्य पल-पल परिवर्तित होता रहता है। वह अपनी छटा को हर बार अलग रूप में प्रस्तुत करती है इसे ही लेखिका ने माया और छाया का खेल कहा है।

15 (क) दुपहिया वाहन चलाते समय निम्न बातों को ध्यान रखना चाहिए -

1. हमेशा हेलमेट पहनकर वाहन चलाये।

कि द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

२. कभी भी नशा करके वाहन न चलायें।
३. वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करे क्योंकि इसके चालक का ध्यान भटक सकता है और दुर्घटना हो सकती है।
५. हमेशा गति सीमा को ध्यान मे रखकर वाहन चलाना चाहिए
६. गाड़ी को धीमी गति से चलाना चाहिए

(ख) सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता करने के लिए एक अच्छे नागरिक की तरह उसकी सहायता करनी चाहिए। उसे देखकर वहाँ से भागने की बजाय उसे प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। उसके परिचितो को सूचित करना चाहिए। उसे अस्पताल पहुँचाने का प्रबंध करेंगे और अपने हरसंभव कर्तव्य का पालन करेंगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड ख

2. बढ़ती महंगाई – दुखद जीवन

(i) महंगाई का ताण्डव –

आज हमारे विश्व में अनेक समस्याएं है जैसे – भ्रष्टाचार, आतंकवाद, नस्लवाद आदि परंतु एक समस्या हर मनुष्य को प्रभावित करती है वो है – महंगाई। महंगाई की समस्या दिन-प्रतिदिन उत्तरोत्तर रूप से बढ़ती जा रही है और जीवन को और कठिन बना रही है। यह समस्या निम्न और मध्यम लोगों की जिंदगी को सर्वाधिक प्रभावित कर रही है। महंगाई का आतंक दिनोदिन बढ़ता और गहराता जा रहा है और मानव को हर स्थिति में प्रभावित कर रहा है। भारत में तो महंगाई के मुद्दे को लेकर अनेक आंदोलन होते रहते है और लोग महंगाई कम करने की मांग करते है फिर भी उनकी समस्या का पूर्ण समाधान नहीं होता है।

(ii) महंगाई के कारण –

महंगाई बढ़ने के अनेक कारण है जो और गहन होते जा रहे है जो निम्न है –

(i) हमारे यहां उत्पादन की मात्रा कम है और जनसंख्या बढ़ती जा रही है यह मूल्यवृद्धि की समस्या उत्पन्न करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(2) दुकानदार कालाबाजारी के माध्यम से बाजार में वस्तु की आपूर्ति कम कर देते है और आपूर्ति कम होने से महंगाई बढ़ जाती है।
(3) सरकार की गलत आर्थिक नीति भी इसके लिए प्रत्यक्षत: जिम्मेदार है।
(4) हमारे यहाँ चुनावो मे बहुत अधिक पैसा खर्च कर देते है और फिर उसका खर्च जनता से वसूल करना चाहते है जिससे मूल्यवृद्धि बढ रही है।
(5) रूपये की क्रय शक्ति कम होना भी इसका एक मुख्य कारण है।
(6) राजनेता और भ्रष्ट अधिकारी जनता के हित मे आये पैसो को बीच मे ही हजम कर लेते है और जनता के हित मे पैसा पहुँच ही नही पाता है।
(7) सरकारी कर्मचारियो का वेतन तो बढ़ता रहता है लेकिन मजदूरो की समस्या पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है।

ऐसे अनेक कारण है जिनसे हमारे दैनिक आवश्यकता की वस्तुएं महंगी होती जा रही है और अपना जीवन-यापन भी करना कठिन हो रहा है। मध्यवर्गीय लोग इस समस्या से संघर्ष करने मे अपनी पूरी जिंदगी व्यतीत कर देते है। इस समस्या को हल करने का प्रयास शीघ्रातिशीघ्र करना होगा अन्यथा यह हमारे देश के पतन का कारण बन जायेगी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) महंगाई के दुष्प्रभाव -

महंगाई के दुष्प्रभाव अनेक है और हमें हर स्थिति मे प्रभावित करते है। महेगाई के कारण अमीरो और गरीबो के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। अमीर और अमीर होते जा रहे है और गरीब और गरीब। यह समस्या विकराल रूप धारण करके हमें प्रभावित कर रही है। हमारी आवश्यकताएं पूरा करने मे असक्षम बना रही है। यह मनुष्य की जिंदगी में दिन-प्रतिदिन गहराती जा रही है। गरीबो का जीवन और भी निम्नस्तरीय होता जा रहा है। वे अपनी आवश्यकताओ को पूरा करने के लिए चोरी, डकैती, खसोट आदि का सहारा लेने लगते है। मूल्यवृद्धि लोगो को गलत आचरणो को करने के लिए विवश कर देती है। उन्हे उन्नति से अवनति की ओर ले जाती है। मूल्यवृद्धि की समस्या वह का दुष्प्रभाव बहुत भयानक साबित हो रहा है। अत: इसे रोकने के उचित उपाय किये जाने चाहिए।

(iv) महंगाई रोकने के उपाय -

इस ज्वलंत समस्या को रोकने का प्रयास हर स्तर पर होना चाहिए। सरकार इस समस्या को कम करने मे सबसे मददगार साबित हो सकती है। सरकार को चीजो का मूल्य इतना अधिक नहीं बढ़ने के प्रयास करने होगे। भ्रष्टाचार व कालाबाजारी पर अंकुश लगाया

जाना चाहिए। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण करने का प्रयास चाहिए क्योंकि यदि जनसंख्या बढ़ती रहेगी तो इस समस्या का हल होना बहुत मुश्किल है। सरकार को अपनी नीति मे सुधार करना चाहिए। ऐसे उपाय करके ही इस समस्या का समाधान हो सकता है।

(ख) उपसंहार –

मूल्यवृद्धि भारत और संपूर्ण विश्व के लिए एक चुनौतीपूर्ण समस्या है। यह समस्या सुरसा के मुख की भाँति बढ़ती जा रही है और जंगल की आग की भाँति फैल रही है। इस समस्या का समाधान करने के लिए अनेक कदम उठाये गये है और ये प्रयास निरंतर जारी है।

5 (क) इस वाक्य में पूर्ण द्विकर्मक क्रिया है जो कि सकर्मक क्रिया का ही भेद है।

परिभाषा – वह क्रिया जिसमे क्रिया के व्यापार या फल का प्रभाव कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है और उसमे दो कर्म संयुक्त हो तो उसे पूर्ण द्विकर्मक क्रिया कहते है।
जैसे –

राम ने सीता को घड़ी दी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) महात्मा गांधी -
1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. पुल्लिंग, एकवचन

बोलते थे -
1. भूतकालिक क्रिया
2. सकर्मक क्रिया

(ग) रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं
1. साधारण वाक्य - जिस वाक्य में एक उद्देश्य व एक विधेय होता है, उसे साधारण वाक्य कहते हैं।
जैसे - राम पुस्तक पढ़ता है।

2. संयुक्त वाक्य - वह वाक्य जिसमें दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य किसी संयोजक शब्द से जुड़े होते हैं तो उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।
जैसे - राम और मोहन छात्र हैं।

3. मिश्र वाक्य - वह वाक्य जिसमे एक प्रधान उपवाक्य और उस पर आश्रित एक या एक से अधिक उपवाक्य हो तो उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।
जैसे - यदि वह परिश्रम करता तो सफल हो जाता।

(घ) (i) नौ दो ग्यारह होना = भाग जाना
वाक्य प्रयोग -
पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

(ii) काला अक्षर भैंस बराबर = निरक्षर होना
वाक्य प्रयोग -
तुम महेश को जानते हो। उसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।

(ङ) इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है।

परिभाषा - वह अलंकार जिसमे एक या एक से अधिक वर्ण की दो या दो से अधिक बार आवृत्ति हो चाहे स्वरो मे समानता हो या न हो तो उसे अनुप्रास अलंकार कहते है।

उदा.- भगवान भक्तो की भयंकर भूरि भगाइये।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

५. वार्ड - 19, कुंज विहार,
खण्डार।
12 मार्च 2016

जिला पुलिस अधीक्षक महोदय,
खण्डार।

विषय - मोहल्ले में बढ़ती चोरियो व सामाजिक अव्यवस्था के क्रम में।

महोदय,
उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि हमारे मोहल्ले में चोरो का आतंक बढ़ता जा रहा है। चोरो ने मोहल्ले से लाखो का माल चुरा लिया है फिर भी स्थानीय पुलिस चोरो को पकड़ने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है।
मोहल्ले में पुलिस की गश्त भी मात्र खानापूर्ति के लिए की जाती है। पुलिस अधिकारी एक-दो घंटे गश्त करके अपने घरो पर चले जाते है। इससे चोरो के हौसले बुलंद है।
अतः आपसे निवेदन है कि आप इस विषय ~~पर~~ पर शीघ्र ध्यान दे और चोरो को पकड़ने की कोशिश करे।

भवदीय
कपिल

समाप्त